जनजातीय उप योजना के अंतर्गत दो–दिवसीय प्रषिक्षण सम्पन्न

पंतनगर। 27 मई 2025। विश्वविद्यालय के अधीन संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्त पोषित जनजातीय उप योजना के अंतर्गत 'मशरूम उत्पादन और इसके मूल्यवर्धित उत्पादों तथा उनके विपणन और उद्यमिता विकास के माध्यम से जनजातीय समुदाय का सशक्तिकरण' हेतु दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गांव परसारी, जोशीमठ, जिला–चमोली में आयोजित किया गया। यह परियोजना डा. श्वेता चौधरी के नेतृत्व में चल रही है। इस कार्यक्रम के परियोजनाधिकारी, टी.एस.पी., समन्वयक डा. श्वेता चौधरी एवं सह परियोजाधिकारी टी.एस.पी., उप–समन्वयक डा. किरन राना थे। सुश्री हीना कौसर, एस.एम.एस., पौध संरक्षण, के.वी.के., चमोली एवं श्री शुभम बडोला, प्रगतिशील कृषक, काशीपुर ने मशरूम की खेती, ढांचा, व्वाध बनाना, कीट प्रबंधन और मूल्य सवंर्धित उत्पाद बनाना बताया। डा. श्वेता चौध ारी एवं डा. किरन राना ने मशरूम के विपरण, पैंकेजिग विचार, स्टार्टअप समर्थन योजनाएं एवं मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्राध्यापक, प्रसार षिक्षा निदेषालय डा. निर्मला भट्ट एवं फेडरेशन समूह की सचिव, सुश्री सुमेधा भट्ट ने मशरूम से बनने वाली उत्पादन जैसे आचार, पाउडर, आदि के बारे में जानकारी एवं मशरूम को सुखाने की विधि भी सिखाई। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे किसानों को ऑस्टर मशरूम रेडिमेड बैग, बटन मशरूम रेडिमेड बैग, प्लास्टिक स्प्रे, फोर्मेलिन एवं कैमिकल आदि सामग्री वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 30 महिला किसानों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में महिला किसानों तथा परियोजनाधिकारी डा. श्वेता चौधरी, सह परियोजनाधिकारी, डा. किरन राना, एस.एम.एस., पौध संरक्षण सुश्री हीना कौसर, प्राध्यापक, डी.ई.ई., डा. निर्मला भट्ट एवं फेडरेशन समूह की सचिव, सुश्री सुमेधा भट्ट, ओ.आई.सी. के.वी. के., डा. शिव दयाल एवं प्रगतिशील कृषक, श्री शुभम बडोला भी उपस्थित थे।